



मेरी सहेली और मैं अमेरिका जाकर चुदी-2

“हम सहेलियां फकिंग होल में चुदाने के बाद और
प्यासी हो गयी. हमने दो मोटे लम्बे लंड वाले हबशी
अपने रूम में बुला लिए. हम दोनों उन से किस बुरी
तरह से चुदी ? पढ़ें!...”

Story By: (sunitabhadoria)

Posted: Wednesday, August 28th, 2019

Categories: [चुदाई की कहानी](#)

Online version: [मेरी सहेली और मैं अमेरिका जाकर चुदी-2](#)

मेरी सहेली और मैं अमेरिका जाकर चुदी-2

📖 यह कहानी सुनें

मेरी हिंदी पोर्न स्टोरी के पहले भाग

[मेरी सहेली और मैं अमेरिका जाकर चुदी-1](#)

मैं आपने पढ़ा कि कैसे मैं अपनी सहेली के साथ अमेरिका जाकर फकिंग होल या ग्लोरी होल में चुदी.

अब आगे :

मगर वो लंड अभी भी कड़क था, वैसे ही तना हुआ। मैंने कविता की ओर देखा, उसकी आँखों में भी शरारत थी।

हम अपने होटल वापिस आ गईं. और फिर से प्रवीण को फोन लगाया और उसे कहा- यार प्रवीण एक बात बता, वो क्लब के 6 नंबर होल वाला हबशी लड़का हमें मिल सकता है, एक पूरे दिन या पूरी रात के लिए ?

प्रवीण ने क्लब में फोन किया और बताया- हाँ मिल जाएगा, बस पैसे लेगा अपने।

मैंने कहा- ठीक है, जितने पैसे कहता है, दे देंगे, मगर हमें वैसे दो बंदे चाहिए, दोनों के लिए एक एक।

प्रवीण बोला- ओ के मैडम, आपका काम हो जाएगा।

अगले दिन करीब 11 बजे वो दोनों हबशी लड़के हमारे रूम में आ गए। मैंने खुद दरवाजा खोल कर उनको अंदर बुलाया।

हम दोनों तो सुबह से ही पी रही थी तो दोनों पूरे सुरूर में थीं. हमने उनको भी व्हिस्की

ऑफर की मगर उन्होंने सिर्फ बीयर पी।

बस जैसे ही उनको बीयर खत्म हुई, कविता बोली- तो चलो फिर शुरू हो जाओ।

एक लड़के ने पूछा- क्या पसंद करेंगी आप ?

कविता बोली- हिंदुस्तान में हमारी बहुत इज्जत है, लोग बहुत झुकते हैं हमारे आगे, बहुतों को हमने बहुत जलील किया है, आज हमारा दिल है जलील होने का, हमें अपनी कुतिया बनाओ, हमें हर वो बात कहो, जिस से हमें जलालत महसूस हो, हमारी माँ बहन बेटी, बहू, हर किसी को गाली निकालो। बस ये समझो कि हम तुम्हारी गुलाम हैं, और तुम जैसे चाहो हमें चोदो, बस माँ चोद कर रख दो हमारी।

मैंने कविता से कहा- अरे पागल है क्या ? ये क्या बकवास कर रही है। उनके जिस्म देखे हैं, कितने तगड़े हैं, इनका तो एक एक झापड़ भी नहीं सह पाएँगी हम।

वो बोली- अरे वह क्या आइडिया दिया !

फिर उन लड़कों से बोली- सुनो लड़को, तुम चाहो तो हमें पीट भी सकते हो, पर हमें नंगी करने के बाद।

मैं तो अवाक सी खड़ी कविता को देखती रही.

मगर इतने में ही एक लड़के ने आगे बढ़ कर मेरा नाईट गाउन खींचा और एक झटके से उतार दिया। अब नाईट गाउन के नीचे मैंने कुछ पहना नहीं था तो मैं तो एक सेकंड में नंगी हो गई।

इतने में दूसरे लड़के ने कविता का भी नाईट गाउन खोल कर उसे भी नंगी कर दिया। पहले उन्होंने हम दोनों को उसी नंगी हालत में ऊपर से नीचे तक देखा। हमारे बड़े बड़े मम्मे, चौड़े कूल्हे, मोटी मोटी जांघें, बेशक हम सब साफ सफाई करके आई थीं.

मगर फिर भी अब हम दोनों चालीस साल के करीब पहुँच चुकी थी, तो तब जिस्म में वो 20

साल की लड़की वाला करार तो नहीं था पर अपने आप को फिट रख कर हम दोनों आज भी इतनी कामुक तो दिखती थी कि किसी भी मर्द का मन हरामीपन से भर दे और वो हमें चोदने के सपने बुनने लगे।

मैंने कहा- आप लोगों ने हमें तो नंगी कर दिया, अपने कपड़े भी तो उतार कर हम अपने खूबसूरत जिस्म दिखाओ।

उन दोनों ने अपने कपड़े उतार दिये। गहरे भूरे या कुछ कुछ काले रंग के बदन, मगर कसरत करके बहुत ही तराशे हुये। नीचे लटक रहे दोनों 7 इंच लंबे और मोटे लंड, जिनके हल्के भूरे टोपे भी बाहर निकले हुये थे।

मैं एक हबशी लड़के के सामने जाकर घुटने टेक कर बैठ गई, उसका ढीला सोया हुआ लंड मेरे चेहरे के बिल्कुल सामने, बिल्कुल पास था। मैंने उसका लंड हाथ में पकड़ा और उसके टोपे को चूमा।

वो बोला- क्या आपको मेरा लंड पसंद आया ?

मैंने कहा- हाँ, बहुत पसंद आया, तभी तो तुम्हें यहाँ बुलाया है क्योंकि ग्लोरी होल में मुझे वो मज़ा नहीं आया जो मैं चाहती थी।

वो बोला- आपको मेरे लंड में ऐसा क्या खास लगा ?

मैंने कहा- आप लोगों में और हिंदुस्तानी मर्दों में बहुत फर्क है। जितना आपका लंड इस ढीली सोई हुई हालात में है, इतना तो हिंदुस्तानी मर्दों का पूरा अकड़ने के बाद भी नहीं होता। मेरे पति का पूरा तना हुआ लंड सिर्फ छह इंच का है, और तुम्हारा ढीला लटका लंड भी सात इंच का है, और जब ये पूरा खड़ा होगा तो ये 10 इंच तक जाएगा।

वो बोला- पूरे 11 इंच।

मैंने कहा- तो, यही तो बात है, इतना शानदार साइज़, क्या लंबाई, क्या मोटाई ... और जब ये अंदर जाता है, तो लगता है, पेट तक पहुँच गया। इसी लिए तो आजकल

हिंदुस्तानी औरतों को नीग्रो लड़के बहुत पसंद आ रहे हैं।

कविता बोली- और सिर्फ इसी वजह से हम अपने पति, अपने बच्चे, अपना परिवार, अपनी मान मर्यादा सब छोड़ कर यहाँ आई हैं, अपनी माँ चुदवाने।
हम सभी हंस पड़े।

तो वो लड़का बोला- तो फिर सोच क्या रही हो रंडी की औलादों, चलो अपने अपने यार के लंड चूसो, इन्हें खड़ा करो ताकि हम तुम रंडियों की माँ चोद सकें।

इसमें हमें क्या दिक्कत थी, मैंने और कविता दोनों ने उन लड़कों के लंड पकड़े और लगी चूसने।

एक बात है, दुनिया भर में कहीं भी चले जाओ, साला मर्द के लंड का स्वाद हमेशा एक सा ही होता है.

कोई 2 मिनट की लंड चुसवाई में ही दोनों लड़कों के लंड टन्न टनाटन हो गए। फिर वो दोनों लड़के एक साथ खड़े हो गए, मुझे दोनों लंड पकड़ा दिये, चूसने को और कविता को उन्होंने खड़ा कर लिया और दोनों उसके होंठ, गाल मम्मे सब चूसने चाटने लगे।

मैंने भी दोनों लड़कों के लंड और आण्ड सब चूसे चाटे। फिर पहले मुझे बिस्तर पर लेटाया गया और एक लड़का मेरी फुद्दी चाटने लगा, और दूसरा मेरी छाती पर चढ़ बैठा और अपना लंड उसने मेरे मुंह में ठूस दिया।

कविता भी मेरे पास ही लेटी थी। वो लड़का कभी अपना लंड मेरे मुंह में डालता, कभी कविता के मुंह में! हम दोनों सहेलियों के थूक से तर हुआ लंड बारी बारी से एक दूसरी के मुंह में आ जा रहा था, और हमें इस तरह से एक दूसरी का थूक चाटने में भी कोई दिक्कत

नहीं थी।

फिर उस लड़के ने कविता को उसके बालों से पकड़ा और उसका मुंह मेरे मुंह पर रख दिया।
“चूस कुतिया, इस कुतिया की जीभ चूस, इसके होंठ चाट हराम की जनी।”

मैं और कविता एक दूसरी के होंठ चूसने लगी, तो उस लड़के ने भी अपनी लंबी जीभ निकाल कर हम दोनों के होंठों के बीच फंसा दी, हम दोनों अपनी जीभों से उसकी हबशी की गुलाबी जीभ चाट रही थी, मगर मेरी तो फुद्दी की भी चटाई हो रही थी तो मैं तो ज्यादा तड़प रही थी।

फिर जो लड़का मेरी फुद्दी चाट रहा था, उसने कविता को सीधा करके लेटाया, और उसकी फुद्दी चाटने लगा।

गर्म, कामुक कविता तड़प उठी, उसकी आँखों से आँसू बह निकले, वो बड़े ही कातर स्वर में बोली- प्लीज़ चोदो मुझे! मैं और बर्दाश्त नहीं कर सकती, अपना मोटा लंड मेरी फुद्दी में डालो यार, प्लीज़। वो घिघिया रही थी।

हबशी लड़का बोला- नहीं, मुझे तेरी चूत नहीं मरनी, बोल तू और किस की चूत मुझे दिलवायेगी?

कविता बोली- जिसकी तुम कहो, मेरी सहेली पास लेटी है, इसकी मार लो, मेरी मार लो, और जिसको कहोगे मैं दिलवा दूँगी।

उस हबशी लड़के ने कविता के सर के बाल पकड़ कर खींचे और उसके मुंह पर थूक दिया- साली, मादरचोद, मुझे तेरी माँ की चूत मारनी है, दिलवाएगी कुतिया, बोल?

कविता बोली- हाँ दिलवा दूँगी, मेरी माँ की भी दिलवा दूँगी।

वो फिर बोला- और तेरी बहन की?

कविता बोली- हाँ, उसकी भी मार लेना।

वो फिर गरजा- और तेरी जवान बेटी की ?

कविता तो फूट पड़ी- हाँ, मेरी बेटी अभी छोटी है, पर जवान हो चुकी है, हाँ उसकी भी मार लेना, पर अभी मेरी मारो, प्लीज़ यार, मेरी मारो पहले ।

तो जो लड़का कविता की फुद्दी चाट रहा था, उसने अपना लंड कविता की फुद्दी पर रखा और अंदर डाल दिया । कविता की तो आँखें बंद हो गई, जैसे बहुत संतुष्टि मिली हो उसे ।

कविता का चुदाई शुरू हो गई तो जो लड़का उसकी छाती पर चढ़ कर बैठा था, वो नीचे उतरा और उसने मेरी टाँगें खोली, मैं भी तो चुदाई के लिए तड़प रही थी ।

उसने जैसे ही मेरी टाँगें खोली, मैंने उसका 11 इंच का मोटा काला, हबशी लंड पकड़ा और अपनी फुद्दी पर सेट किया ।

“क्या हुआ रंडी, बहुत आग लगी है, तेरी भोंसड़ी में ?”

मैंने कहा- इतने शानदार लंड सामने हो तो कोई भी चुदवाने को तैयार हो जाएगी ।

वो बोला- अच्छा, तो क्या तेरी जवान बेटी मुझसे चुदवा लेगी ?

हालांकि मेरी कोई बेटी नहीं थी मगर मैंने झूठ ही कह दिया- हाँ, वो तो मुझसे भी पहले इस सांड लंड से चुदवाएगी ।

उसने अपना लंड मेरी फुद्दी में घुसेड़ा ... आह ... कितना आनंद आया ।

ऐसा लगा जैसे पहली बार कोई लंड मेरी फुद्दी में घुसा हो, इससे पहले तो लगता था जैसे बच्चों से ही चुदवाती रही हूँ, असली लंड तो ये है, अब तक जितने भी मर्द मुझे मिले उनके पास तो जैसे लुल्लियाँ ही थी ।

मैंने उसे शाबाशी दी- आह मज़ा आ गया यार, पेल, ज़ोर से पेल आज अपनी रांड को ।

एक तरफ कविता और दूसरी तरफ मैं, दोनों उन शानदार मर्दों की ज़बरदस्त चुदाई से बेहाल

हो गई ।

हम दोनों के 3-3, 4-4 बार पानी गिरा, मगर वो दोनों सांड वैसे ही हमें पेलते रहे, कभी सीधा लेटा कर, कभी घोड़ी बना कर, कभी ऊपर बैठा कर, कभी बदल बदल कर । हमारे बाल बिखर गए, हमारा सारा मेक अप वो चाट कर साफ कर गए । चोद चोद कर हमारी फुद्दियों को भोंसड़े बना दिये ।

ठंड के मौसम में भी वो दोनों पसीने से तरबतर थे मगर झड़ने का नाम नहीं ले रहे थे । हम दोनों की हालत ऐसी थी जैसे 10-15 जनों ने हमारा चोदन कर दिया हो । पहले हम अत्याधिक आनंद के कारण रो रही थी मगर अब तो हमारी माँ चुदी पड़ी थी और हम अब हमारे जिस्मों जगह जगह उन दोनों के काटने, नोचने, मारने और सबसे ज्यादा बेहद वहशियाना तरीके से चोदने के कारण होने वाले दर्द से रो रही थी ।

अब हमें इस सब से मुक्ति चाहिए थी तो मैंने कहा- अरे यार बस करो, हम और नहीं चुदवा सकती, अब रहने दो, हमें माफ करो ।

हालत उनकी भी खस्ता हो रही थी तो एक बोला- तो ठीक है, हम अपना पानी छुड़वा दें फिर ।

कविता बोली- हाँ, जल्दी छुड़वा दो ।

दोनों लड़कों ने पहले थोड़ी जोरदार चुदाई करी हम दोनों की, इतनी जोरदार के लगा जैसे फुद्दी अंदर से छिल गई हो ।

फिर पहले मेरे वाले ने अपना लंड एक झटके से मेरी फुद्दी से निकाला और मुट्ठ मारने लगा और फिर जो उसने माल गिराया, मार मार गर्म वीर्य की धारें, मेरा मुंह, मम्मे सब भर दिये ।

इतने में ही दूसरे लड़के ने कविता की भी वही हालत कर दी ।

हम दोनों सहेलियाँ निढाल, बेसुध, बेहद थकी हुई, और बेहद चुदी हुई। वैसे ही अधमरी हालत में बिस्तर पे लेटी थी। वो लड़के उठे, बाथरूम में गए, फ्रेश होकर वापिस आए और हमसे पूछा- मैडम, क्या आपको हमारी और सर्विस चाहिए ?

मैंने कहा- अरे नहीं यार बस, साली माँ चोद डाली हमारी, अब तो एक महीने तक हमें किसी मर्द की और देखने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी।

वो बोला- तो हम चलें फिर ?

मैंने कहा- रुको !

फिर मैंने अपने पर्स में से 500 डॉलर निकाल कर उन दोनों लड़कों को इनाम दिया।

वो दोनों खुश हो कर चले गए।

उसके बाद हम दोनों करीब एक हफ्ता और अमेरिका में रहीं, मगर उस एक हफ्ते में हमने एक बार भी सेक्स नहीं किया, ज़रूरत ही नहीं पड़ी। साली फुद्दियाँ हमारी सूजी पड़ी थी, और लंड लेने की हिम्मत ही नहीं बची थी।

हाँ बीच पर सारा सारा दिन छोटी छोटी बिकनी पहन कर लेटी रहती।

बहुत से मर्दों ने हमें देखा, एक दो ने ऑफर भी दिये, कॉफी के, डिनर के।

मगर अब हमारी तो बस हो चुकी थी।

तो एक हफ्ता और घूम फिर कर या यूँ कहो कि पूरी तरह से ठंडी होकर ... ताकि हमारी फुद्दियों की हालत भी ठीक हो जाए और हमारे बदन पर जो नोच-खसोट के निशान थे, वो भी मिट जाएँ.

हम फिर से पाक साफ हो कर अपने देश वापिस आ गई। घर पहुँच कर ऐसे हो गई जैसे हम तो वहाँ सिर्फ घूमने और आराम करने गई थी.

किसे पता था कि असली आराम तो अब होगा.

वहाँ तो हब्बियों ने हमारी ... आप खुद समझदार हैं ।

तो दोस्तो, कैसी लगी मेरी हिंदी पोर्न स्टोरी ?

sunitabhadoria7@gmail.com

Other stories you may be interested in

कॉलेज टीचर के साथ फर्स्ट टाइम सेक्स का मजा- 2

अब तक की मेरी इस सेक्स कहानी के प्रथम भाग कॉलेज टीचर के साथ फर्स्ट टाइम सेक्स का मजा- 1 में आपने पढ़ा था कि श्रेया मैडम मुझसे चुदने के लिए चुदासी हो चली थीं. हम दोनों झील के किनारे [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी कामवासना और दीदी का प्यार-3

दीदी ने कहा- तुम्हारा जो मन हो वो करो. मैं नहीं रोकूंगी. उनके इतना कहने की देर थी, मैंने उनके होंठों को अपने होंठों में दबा लिया और एक लम्बी किस देने के बाद धीरे धीरे उनके सारे अंगों को [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी सहेली और मैं अमेरिका जाकर चुदी-1

दोस्तो, मैं आपकी दोस्त सुनीता, और आज काफी दिन बाद मुझे समय मिला अपनी हिंदी पोर्न कहानी लिखने का। दरअसल बात यह है कि मैं एक बहुत ही बड़े घर से ताल्लुक रखती हूँ। बहुत बड़े क्षत्रिय घराने से, ससुराल [...]

[Full Story >>>](#)

कॉलेज टीचर के साथ फर्स्ट टाइम सेक्स का मजा- 1

नमस्कार मित्रो ... मैं हिमाचल प्रदेश का रहने वाला हूँ. मेरी बहुत दिनों से इच्छा थी कि कॉलेज टीचर के साथ फर्स्ट टाइम सेक्स की अपनी कहानी लिखूं. उन दिनों मैं नौकरी की तलाश में था. मैंने जून 2015 में [...]

[Full Story >>>](#)

डॉक्टर साहब की गांड मराने की तमन्ना

“उई ... बहुत मोटा है..!” “क्या लग रही है ? निकाल लूं ?” “नहीं डाले रहो ... उसने सही कहा था.” “किसने ? क्या बात है ?” “तो शुरू करूं ... परमीशन है ?” “हां भाई साहब यह भी कोई पूछने की बात है. लंड [...]

[Full Story >>>](#)

